सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 146 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 1 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
-गुरुनानक देव

विराट-रोहित व जडेजा ने टी-20 को कहा... 7

नई करवट लेगी बिहार-झारखंड की... 3

जनता के हितों के लिए संघर्ष करने... 2

संसद में नीट को लेकर फिर घिरी सरकार, विपक्ष का तीखा प्रहार

» धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा शुरू

» राज्यसभा में धनखड़-खरगे में फिर ठनी

» भागवत व संसद की मुर्तियों को लेकर भी उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में दो दिन के अवकाश के बाद सोमवार को कार्यवाही फिर से शुरू हो गई है। सदन की शुरुआत होते ही हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ने एजेंसियों के दुरुपयोग मामले में सदन के बाहर प्रदर्शन किया है। राहुल गांधी ने भी नीट-यूजी परीक्षा मामले को लेकर सदन में फिर से चर्चा की मांग की है। जबकि सत्ता पक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा करवाने की मांग पर अड़ा रहा।

वहीं आज कांग्रेस अध्यक्ष व राज्य सभा के सभापति व केंद्रीय मंत्री रिन रिजिजू के बीच भी जमकर बहस हुई। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी। जिसके बाद संसद में हंगामा शुरू हो गया था। वहीं लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच स्पीकर ओम बिरला का कहना है, सदन के बाहर कुछ सांसद आरोप लगाते हैं कि स्पीकर माइक बंद कर देते हैं। माइक का नियंत्रण कुर्सी पर बैठने वाले के हाथ में नहीं होता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सदन ने क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा और पूरी टीम इंडिया को जीत की बधाई दी।

नीट मुद्दे पर लोकसभा से विपक्ष का वॉकआउट

नीट पर एक दिन की चर्चा हो : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि हम नीट पर एक दिन की चर्चा चाहते थे। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। दो करोड़ से ज्यादा छात्र प्रभावित हुए हैं। 70 मौकों पर पेपर लीक हुए हैं। यदि आप इस मुद्दे पर अलग से चर्चा की अनुमति देंगे तो हमें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि संसद से, देश के नाम एक संदेश प्रसारित होता है। हम छात्रों को संदेश देना चाहते हैं कि नीट का मुद्दा संसद के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, यह संदेश देने के लिए हम चाहते हैं कि संसद इस पर चर्चा करे।

बीजेपी की विचारधारा देश के लिए खतरनाक : खरगे

विपक्षी नेता मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा में भाजपा पर हमला बोला है, उन्होंने कहा, ये विचारधारा देश के लिए खतरनाक है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- राष्ट्रपति संसद का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा, हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं। यह देश के इतिहास में पहला चुनाव है, जिसमें देश की संविधान की रक्षा का मुद्दा बना। भाजपा ने 400 पार का नारा दिया। उनके कई नेताओं ने यह तक कहा कि भाजपा संविधान बदलेगी।

कांग्रेस ने गरीबों को पहले से ज्यादा गरीब किया : अनुराग

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने गरीबों को पहले से ज्यादा गरीब किया। अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में सवाल किया, संविधान में कितने पन्ने होते हैं, कभी पढ़कर देखे हैं। अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

नियमों और परंपराओं के आधार पर चलती है संसद : राजनाथ

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद नीट में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया, जिसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सदन समाप्त होने तक अलग से चर्चा नहीं की जा सकती। इसके बाद लोकसभा के उपनेता सिंह ने कहा कि सदन के कुछ नियम और प्रक्रियाएं हैं और स्वस्थ परंपरा भी है, जो इस सदन की ताकत है। उन्होंने कहा कि एक सांसद के रूप में मेरे दशकों लंबे कार्यकाल में, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कभी भी कोई अन्य मुद्दा नहीं उठाया गया। धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बाद अन्य मुद्दे उठाए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संसद की कार्यवाही कुछ नियमों और परंपराओं के आधार पर चलती है। मेरा विपक्ष से अनुरोध है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के बाद ही कोई चर्चा होनी चाहिए।

मूर्तियों को लेकर राज्यसभा में खरगे और रिजिजू में बहस

पुरानी संसद में रखी गई महापुरुषों की मूर्तियों की जगह बदले जाने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और किरण रिजिजू के बीच राज्यसभा में गरमागरमी हो गई। महात्मा गांधी, बाबा साहब अंबेडकर और छत्रपति शिवाजी महाराज समेत 15 मूर्तियों की जगह बदले जाने को लेकर खरगे ने कहा कि सभी मूर्तियों को पहले वाली जगह पर रखवाया जाए। वहीं संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने कहा कि किसी का भी अपमान नहीं किया गया।

धूमधाम से मना अखिलेश का 51वां जन्मदिन

» पीएम मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, मायावती व सीएम योगी ने दी बधाई

» सपा कार्यकर्ताओं ने बांटे फल और उपहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव आज अपना 51वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन पर पीएम मोदी, सीएम योगी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, मायावती समेत सभी नेताओं ने बधाई दी। उधर उनके जन्मदिन पर सपा कार्यकर्ताओं ने पूरे प्रदेश में फल व उपहार बांटे। राज्य के हर सपा कार्यालय में अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सपा प्रमुख ने सपा के दिवंगत दिग्गज नेता मुलायम सिंह यादव की मुर्ति का अनावरण भी किया।

फोटो: सुमित कुमार

इस मौके पर सपा कार्यालय लखनऊ में कार्यकर्ताओं ने बड़ा जश्न मनाया। बता दें लोस चुनाव 2024 में सपा यूपी में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पार्टी ने 2014 और 2019 के खराब प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए प्रदेश में 37 सीटें हासिल की। इस जीत ने देश की सियासत में अखिलेश यादव का कद बहुत बढ़ा दिया हैं।

प्रभु श्रीराम से प्रार्थना, वह आपको सुदीर्घ जीवन और उत्तम स्वास्थ्य दें : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने लिखा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको सुदीर्घ जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो।

जनता के हितों के लिए संघर्ष करने वालों को आगे बढ़ाया जाएगा : अजय

» युवाओं को संगठन में अहम जिम्मेदारी देने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस यूपी में पार्टी का जनाधार और मजबूत करने के लिए बेताब है। इसी के मद्देनजर पूरे राज्य में पार्टी जूझारू लोगों को जोड़ेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि संगठन में काम करने वालों की जरूरत है। भीड़ के बजाय निरंतर जनता के हितों के लिए संघर्ष करने वालों को आगे बढाया जाएगा। ऐसे युवाओं को संगठन में अहम जिम्मेदारी देकर उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित की जाएगी।

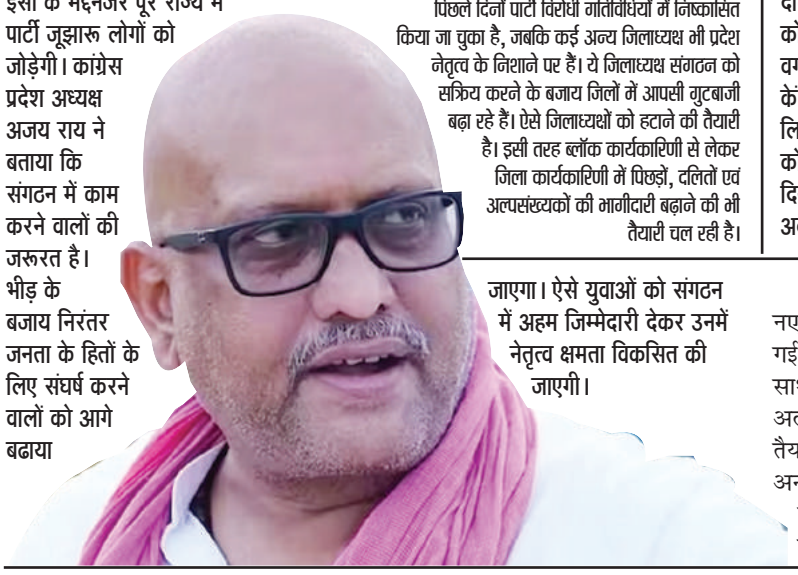

कांग्रेस संगठन में होगा बड़ा बदलाव

पार्टी ने ऐसे युवाओं को चिन्हित करना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के तहत कई जिलों के जिलाध्यक्षों को भी बदला जाएगा। अंबेडकर नगर के जिलाध्यक्ष को पिछले दिनों पार्टी विरोधी गतिविधियों में निष्कासित किया जा चुका है, जबकि कई अन्य जिलाध्यक्ष भी प्रदेश नेतृत्व के निशाने पर हैं। ये जिलाध्यक्ष संगठन को सक्रिय करने के बजाय जिलों में आपसी गुटबाजी बढ़ा रहे हैं। ऐसे जिलाध्यक्षों को हटाने की तैयारी है। इसी तरह ब्लॉक कार्यकारिणी से लेकर जिला कार्यकारिणी में पिछड़ों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों की भागीदारी बढ़ाने की भी तैयारी चल रही है।

लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में नए सिरे से बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। संगठन में सक्रिय युवाओं के साथ ही पिछड़ों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी है। कई जिलों के जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी भी बदले जाएंगे।

लोकसभा चुनाव परिणाम से कांग्रेस उत्साहित है। प्रदेश नेतृत्व जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर निरंतर अभियान चलाने की तैयारी में है। पार्टी की रणनीति है कि संसद में जिन मुद्दों को उठाया जाए, उसे लेकर सड़क पर भी आंदोलन हो। इसके तहत वह प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाना चाहती है। ऐसे में कांग्रेस को ऐसे युवाओं की तलाश है, जो जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर आंदोलन चला सके।

दलितों-पिछड़ों में बढ़ते आक्रोश को थामने की कोशिश है अनुप्रिया की चिट्ठी : आलम

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहनवाज आलम नेकहा कि भाजपा और एनडीए के नेता दलितों और पिछड़ों में आरक्षण व्यवस्था को निष्प्रभावी कर देने से बढ़ते आक्रोश को थामने की कोशिश में जुटे हैं। आपस में आरोप प्रत्यारोप करने का नाटक कर रहे हैं। ओबीसी और अनुसूचित वर्गों के अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित कर उन सीटों को अनारक्षित कर देने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र इसी नाटक का हिस्सा है।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने संविधान को बदलने और आरक्षण को खत्म कर देने की भाजपा की साजिश को मुख्य चुनावी मुद्दा बना दिया था। ऐसे में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को भारी समर्थन मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि अब डैमेज कंट्रोल की कोशिश में भाजपा नेतृत्व ने अनुप्रिया पटेल से यह पत्र लिखवाया है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटीं महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी बीच राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय पार्टियों के बीच बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। श्रीनगर में पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अहम बैठक बुलाई।

महबूबा मुफ्ती ने पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इसमें जम्मू कश्मीर की समग्र राजनीतिक स्थिति और पार्टी मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और मौजूदा राजनीतिक माहौल से निपटने और पार्टी की स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रमुख मुद्दों और रणनीतियों पर चर्चा की। बैठक अभी चल रही है। ऐसे में पार्टी की तरफ से बैठक में लिए गए निर्णयों को लेकर अभी बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन माना जा रहा है कि इस बैठक में जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा और निकाय चुनाव पर चर्चा की गई है। साथ ही लोकसभा चुनाव में पार्टी की प्रदर्शन पर भी संक्षिप्त समीक्षा की गई है।

बिहार में सत्ता संरक्षित अपराधियों ने मचा रखा है तांडव : तेजस्वी

» राजद नेता ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर प्रेस रिलीज जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने प्रेस रिलीज में लिखा है कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, दो-दो बड़बोले उपमुख्यमंत्री एवं छह दलों वाले एनडीए के सौजन्य से बिहार में सरकारी अपराधी पूर्ण मौज में मनमर्जी से जब चाहे, जहां चाहे, जैसे चाहे किसी को भी गोली और चाकू मार हत्या कर दे रहे है।

छात्र-शिक्षक, कर्मचारी-व्यापारी, किसान-मजदूर, महिला-पुरुष, बच्चे-बुजुर्ग कोई भी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। सत्ता संरक्षित अपराधियों ने तांडव मचा रखा है। दो दिन की इन आपराधिक घटनाओं पर सरकार में कोई भी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। यह रहा बिहार का अलग-अलग तारीखों का संक्षिप्त क्राइम बुलेटिन- बिहार में अपराधियों का तांडव जारी, सासाराम थाने से कुछ दूर जिम संचालक की ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या, इलाके में सनसनी, गोपालगंज में मां के सामने बेटे की गोली मारकर हत्या।

बिहार में पुल गिरने के पीछे साजिश : मांझी

बिहार में नवनिर्मित पुल ठेकेदारों के कारण गिर रहे हैं। बिहार सरकार शीघ्र ऐसे ठेकेदारों को चिन्हित कर कार्रवाई करेगी। उक्त बातें शनिवार को गया शहर के गोदावरी मोहल्ले में स्थित अपने आवास पर केंद्रीय मंत्री सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि बिहार में पुल गिरने का कारण घटिया मैटेरियल मिलाया जाना है, जिसके कारण बिहार के नवनिर्मित पुल गिर रहे हैं। उक्त घटना में पुल निर्माण में लगे संवेदकों पर बिहार सरकार आवश्यक कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि एक माह पहले बिहार में पुल नहीं गिर रहा था। अब बिहार में बार-बार पुल गिरना साजिश भी हो सकती है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि बिहार सरकार दोनों बिंदुओं पर जांच करे, यह मेरा अनुरोध है।

बागी अकाली बनाएगा नया दल व अध्यक्ष

» आज अकाल तख्त साहिब पर होंगे इकट्ठा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर (पंजाब)। अकाली दल बादल के बराबर पार्टी तैयार करने के लिए बागी आज एक जुलाई को अकाल तख्त साहिब पर पहुंच रहे हैं। अकाली दल का बागी ग्रुप सोमवार को पंजाब पंथ व अकाली दल को बचाने के लिए अकाल तख्त साहिब से मुहिम की शुरुआत करेगा।

बागी ग्रुप अकाली दल को बचाने की मुहिम शुरू करने से पहले उस सच को अकाली तख्त साहिब से पूरे पंथ के लिए जारी करने जा रहा हैं, जिसके तहत डेरा सिरसा के मुखी गुरमीत राम रहीम सिंह को तख्तों के जत्थेदारों के माध्यम से प्रकाश सिंह बादल ने अपनी कोठी में बुलाकर आदेश जारी किए थे। उस समय के चश्मदीद नेता इस बात को सार्वजनिक करने के साथ-साथ अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को पत्र भी सौंपेंगे। वहीं इसमें खुद को व अन्य दोषियों को अकाल तख्त साहिब पर तलब करने की भी मांग उठाकर जत्थेदार से धार्मिक सजा दिए जाने की अपील करेंगे। सूत्रों के अनुसार बागी ग्रुप नए अकाली दल की स्थापना के साथ की योजना लागू करने के लिए पहले चरण में कोई अध्यक्ष न चुनकर एक-एक कन्वीनर का एलान करेंगे। वहीं इस दौरान राज्य भर में पंथक गतिविधियों को चालान और ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट फेडरेशन के सभी ग्रुपों को एक मंच पर इकट्ठा करके, अकाली दल का विद्यार्थी विंग भी घोषित करने की नीतियों को तैयार कर चुका है। यह भी पता चला है कि बागी ग्रुप ने नेता अकाल तख्त से ही सिख पंथ को अपील करेंगे कि कथित पंथ विरोधी अकाली दल बदल ग्रुप को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रबंधों से बाहर करने के लिए सभी पंथक सोच वाले लोग एक जुट होकर शिरोमणि अकाली दल को मजबूर करें और बादल दल को पंथ के विभिन्न प्लेटफार्मों की सेवाओं से मुक्त करें। इस दौरान अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को सौंपे जाने वाले पत्र की प्रतियां मीडिया को भी जारी की जाएंगी।

लोगों ने बादल की मौजूदा लीडरशिप को नकारा : मंजीत सिंह

अकाली दल बादल के बागी ग्रुप के नेता व एसजीपीसी के सदस्य भाई मंजीत सिंह का कहना है कि पंजाब के लोगों ने अकाली दल बादल की मौजूदा लीडरशिप को पूरी तरह नकारते हुए पहले विधान सभा और अब लोक सभा चुनावों में अपना फतवा दे दिया है। पंजाब की जनता अकाली दल बादल के नेतृत्व में बदलाव चाहती है। इस लिए अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को अपने पद से त्याग पत्र देकर अकाल तख्त साहिब की शरण में आना चाहिए और अकाली दल का अध्यक्ष पार्टी के नेताओं और वर्करों का या फिर अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को चुनने का अधिकार दे देना चाहिए। इस से कम सिख संगत अकाली दल बादल से कुछ भी स्वीकार करने के लिए तैयार नही है।

पप्पू यादव व बीमा भारती की मुलाकात से बढ़ा बिहार का पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 में एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोकने वाले प्रत्याशियों की चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव से रुपौली विधानसभा से राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी बीमा भारती ने मुलाकात की है। दोनों की इस मुलाकात बिहार का सियासी पारा गरमाने लगा है।

रुपौली विधानसभा उपचुनाव को लेकर यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर मैदान में उतरीं बीमा भारती ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का समर्थन मांगा है और उनसे मुलाकात की है। हालांकि अब तक इस मुलाकात को लेकर पप्पू यादव की ओर से कोइ प्रतिक्रि या नहीं आई है। वहीं बीमा भारती के समर्थकों का कहना है कि राजद प्रत्याशी पप्पू यादव को अपना अभिभावक मानती हैं। इसलिए वह उनसे आशीर्वाद मांगने गई थीं। राजनीतिक पंडितों की मानें तो बीमा भारती एक बार फिर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को चौंका सकती हैं। तेजस्वी यादव ने पप्पू यादव के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। पप्पू यादव पर कई बार तेजस्वी यादव पर निशाना साधते दिखे। ऐसे में बीमा भारती का अचानक पूर्णिया सांसद से मिलना काफी चौंकाने वाला है।

नई करवट लेगी बिहार-झारखंड की सियासत!

हेमंत की रिहाई के बाद बढ़ी बीजेपी की टेंशन

- सोरेन के समर्थन में राहुल, ममता, उद्धव व डी. राजा भी
- जदयू के नए कार्यकारी अध्यक्ष भी भाजपा को करेंगे परेशान
- संजय झा ने बिहार को विशेष राज्य व स्पेशल पैकेज की फिर की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आने वाले समय में बिहार व झारखंड की सियासत नये रंग दिखा सकती है। दरअसल दोनों राज्यों में अगले साल विधान सभा चुनाव होने हैं। इन दोनों राज्यों में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं वहां की राजनीति भी बदलती जा रही है। जहां झारखंड में हेमंत सोरेन जेल से छूटने के बाद फिर से आक्रामक हो रहे है उससे तो लगता है आने वाले समय वह भाजपा के लिए वह मुश्किल करने वाले हैं।

झारखंड की तरह ही बिहार में भी कुछ नया हो सकता है। वहां की व केंद्र की सत्ता में भागीदार जदयू ने अपनी कार्यकारिणी की बैठक में आगामी योजनाओं पर चर्चा की साथ ही संजय झा को नया कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। झा ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर मोदी जी को परेशान करने के संकेत दे दिये। इससे पहले केसी त्यागी ने नीतीश के नेतृत्व में ही विस चुनाव लड़ने के बयान से भी बीजेपी असहज है। उधर हेमंत के आने से इंडिया गठबंधन की ताकत भी बढ़ेगी। उनसे समर्थन में शिवसेना यूबीटी, सीपीआई व टीएमसी भी आ गए हैं। उन सबने बीजेपी पर जमकर हमला भी बोला।

धर्म के नाम पर अब राजनीति नहीं होगी : महुआ माजी

झारखंड मुक्ति मोर्चा से सांसद महुआ माजी ने कहा कि हेमंत सोरेन झारखंड में बहुत लोकप्रिय नेता हैं। लोकसभा चुनाव में उनकी अनुपस्थिति के बावजूद जनता ने हमारा समर्थन किया। जेल से उनकी रिहाई के बाद काफी उत्साह है।सांसद महुआ माजी ने आगे कहा कि 2014 में जब झारखंड में बीजेपी की सरकार थी, तब केवल हेमंत सोरेन ने बदलाव यात्रा, संघर्ष यात्रा की और विपरीत हवा के बावजूद झारखंड में सरकार बनाई। लोकसभा चुनावों में हमारे लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करके बीजेपी ने

वोट बटोरने की कोशिश की जो विफल रही।400 पार का नारा लगाने वाली बीजेपी मात्र कुछ सीटों में सिमट गई। झारखंड की जनता जानता है कि कौन काम कर रहा है और कौन सिर्फ धर्म के नाम पर लोगों को लड़ा रहा है। महुआ माजी ने कहा अयोध्या में जो कुछ भी हुआ उससे सबक लेना चाहिए कि धर्म के नाम पर अब राजनीति नहीं हो सकती, ये गुमराह करने की राजनीति करने की बजाय विकास की राजनीति किजिए। हेमंत सोरेन ने अपने कार्यकाल में जनता के लिए तरह-तरह की योजनाएं लान्च की। गुरूजी क्रेडिट कार्ड, फूलो झानो आशीर्वाद योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना, सरकार आपके द्वार योजना इन तमाम चीजों से लोगों का जो दिल जीता उससे अब उनके (हेमंत सोरेन) के आने से बहुत फर्क पड़ेगा।

बिना सबूत के ही पकड़ रही ईडी : संजय

जेएमएम नेता हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर शिवसेना (BT) नेता संजय राउत ने कहा कि ईडी-सीबीआई ने 10 साल में जितने भी राजनीतिक नेताओं को गिरफ्तार किया है उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं। मैं इसका उदाहरण हूं, अनिल देशमुख के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, केजरीवाल जी को पकड़ा है, कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, आप उन्हें परेशान कर रहे हैं, हेमंत सोरेन के बारे में भी यही कहा है, इस देश की एजेंसी मोदी-शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है, हेमंत सोरेन बेकसूर थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था. एक अधिकारी ने बताया कि सोरेन (48) बिरसा मुंडा जेल में कैद थे और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें अपराह्न चार बजे रिहा किया गया। सोरेन के वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने कहा, ''सोरेन को जमानत दे दी गई है। अदालत ने कहा है कि प्रथम दृष्टया, वह दोषी नहीं हैं और जमानत पर रिहाई के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा कोई अपराध किए जाने की कोई आशंका नहीं है।

हेमंत की वापसी पर स्वागत है: ममता बनर्जी

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में उम्मीद जताई कि झारखंड के पूर्व सीएम अपनी पूर्ण राजनीतिक गतिविधियों को फिर से शुरू करेंगे। एक महत्वपूर्ण आदिवासी नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक मामले के कारण इस्तीफा देना पड़ा था, लेकिन आज उन्हें माननीय उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई है! मैं इस महान विकास से बहुत खुश हूं और मुझे यकीन है कि वह अपनी सार्वजनिक गतिविधियां तुरंत शुरू कर

देंगे। बनर्जी ने पहले भी कई बार सोरेन के प्रति अपने समर्थन की घोषणा की है और उन्हें देश का एकमात्र आदिवासी मुख्यमंत्री बताया है। जब सोरेन जेल में थे तब वह उनकी पत्नी कल्पना के भी संपर्क में थीं। फरवरी में, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने अपने करीबी दोस्त की गिरफ्तारी की आलोचना की थी। मैं एक शक्तिशाली आदिवासी नेता हेमंत सोरेन की अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करता हूं। भाजपा समर्थित केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई प्रतिशोधात्मक कार्रवाई से लोकप्रिय रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश की बू आती है। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए तृणमूल सांसदों ने भी संसद के दोनों सदनों से वाकआउट किया था।

केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही केंद्र सरकार : डी राजा

कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी राजा ने झारखंड हाईकोर्ट के इस फैसला का स्वागत किया है। डी राजा ने सीएम हेमंत सोरेन की जमानत पर खुशी जताते हुए कहा, उनकी रिहाई से इंडिया गुट मजबूत होगा। डी राजा ने कहा, जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो हम सहमत नहीं थे। केंद्र सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने, उन्हें डराने और उनकी गतिविधियों को पंगु बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। डी राजा ने

आगे कहा, न्याय की जीत होगी और सच्चाई की जीत होगी। वह इंडिया ब्लॉक के महत्वपूर्ण नेताओं में से एक हैं। उनकी रिहाई से इंडिया ब्लॉक मजबूत होगा ताकि अलोकतांत्रिक दक्षिणपंथी ताकतों को हराया जा सके और लोगों के अधिकारों की रक्षा की जा सके।

रांची में लगे हेमंत के बड़े-बड़े पोस्टर

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिहाई को लेकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। रांची में जगह-जगह पोस्टर लगाए गए है। पोस्टर में लिखा गया है कि साजिशों के खेल का हुआ अंत आ गया अपना हेमंत।

बिहार आरक्षण कानून को सुप्रीम कोर्ट में देंगे चुनौती : त्यागी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेकर बाहर आए जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने कहा कि बिहार आरक्षण कानून पर लगी रोक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम बिहार को विशेष राज्य का दर्ज दिलाने के लिए लड़ते रहेंगे।

केसी त्यागी ने कहा किउन्होंने (सीएम नीतीश कुमार) राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने ऐलान किया है कि अब वह हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे । जेडीयू नेता अशोक चौधरी ने कहा कि 2025 विधानसभा चुनाव में अभी बहुत समय है। बैठक में नीट को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया है।

बिहार को विशेष राज्य व स्पेशल पैकेज की मांग से पीछे नहीं हटेगी जदयू

दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। संजय झा पार्टी के पहले कार्यकारी अध्यक्ष हैं. राजधानी में हुई इस बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के लिए प्रस्ताव खुद पार्टी अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही लेकर आए। हालांकि, जहां एक ओर जेडीयू की बैठक में पार्टी को अपना पहला कार्यकारी अध्यक्ष मिला है, वहीं इसने बीजेपी की टेंशन भी बढ़ा दी है। दरअसल, जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बिहार के लिए केंद्र सरकार से स्पेशल कैटेगरी स्टेटस (विशेष राज्य) देने या स्पेशल पैकेज की मांग करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित हुआ। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग काफी लंबे अरसे से की जा रही है. जेडीयू की बैठक में इस बात को माना गया कि बिहार को विशेष राज्य के दर्जा दिए जाने का इंतजार काफी लंबे समय से है।राज्य के आर्थिक विकास के लिए इस पर फैसला करना बेहद जरूरी हो गया है। अब देखना है कि बीजेपी इसे मानती है या नहीं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जनता के मुद्दों को सत्ता पक्ष व विपक्ष मिलकर उठाए !

गौरतलब हो कि पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

नव गठित 18वीं लोकसभा कामकाज शुरू हो गया है। सत्र का शुभारंभ भी हो गया है। नीट पेपर लीक को लेकर सदन में हंगामा मचा हुआ है। पिछले हफ्ते पांच दिन खत्म हो चुके है। अगले हफ्ते सत्र फिर शुरू गया। नीट पर फिर विपक्ष चर्चा करने का मन बना चुका था। इसबार सत्ता पक्ष की मनमानी नही चल पाएगी। विपक्ष को जनता ने सरकार पर अंकुश लगाने की ताकत दी हुई। समय व परंपरा भी यही है कि सत्ता पक्ष को इसबार विपक्ष की बात को सुनना चाहिए और जनता से जुड़े मुद्दों पर दोनों को मिलकर समाधान निकालना चाहिए। इससे दोनों का संसद में जाना सार्थक हो जाएगा। गौरतलब हो कि पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों का जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दवाब होगा। लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया- जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह-ओ-अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवी बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलीस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार इस बार सामान्य नजर आया। इन दृश्यों से ऐसा लगता है कि इसबार संसद में विपक्ष सत्ता पक्ष पर हावी हो सकता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तीस्ता प्रबंधन के बहाने पेइचिंग का खेल

पुष्परंजन

कुल 315 किलोमीटर लंबी तीस्ता नदी सिक्किम, पश्चिम बंगाल से बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती है, और ब्रह्मपुत्र में समाहित हो जाती है। तीस्ता पर भारत-बांग्लादेश के बीच कब समझौता होगा, किस देश को कितना पानी मिलेगा? फिलहाल यह साफ नहीं है। बांग्लादेश को 48 फीसदी तीस्ता का पानी चाहिए, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार की दलील है कि ऐसी स्थिति में उत्तर बंगाल के छह जिलों में सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी। बंगाल इसके लिए जब तैयार नहीं है, तो फिर तीस्ता समझौता कैसे परवान चढ़ेगा? इस सवाल का ठोस उत्तर देने से दिल्ली भी बच रहा है। शेख हसीना की हालिया दिल्ली यात्रा और उभयपक्षीय समझौतों से हम चाहे जितना खुश हो लें, लेकिन तीस्ता कहीं न कहीं कड़वाहट का कारण बन रहा है। बांग्लादेश में विपक्ष और वहां का मीडिया फुंका पड़ा है। उनका मानना है कि तीस्ता जल में हिस्सेदारी के बगैर सारे समझौते बेकार हैं।

तीस्ता जल समझौते को अंतिम रूप देने का मामला जनवरी, 2011 से अधर में लटका पड़ा है। बांग्लादेश और भारत के बीच प्रधानमंत्री स्तर की बैठकों में इसकी चर्चा होती है, शीघ्र समापन के आश्वासन के साथ बात आई-गई हो जाती है। अनुरोध और आश्वासन का सिलसिला समाप्त नहीं हुआ। बजाय इसके, घोषणा यह की गई कि एक भारतीय तकनीकी टीम जल्द ही बांग्लादेश का दौरा करेगी, ताकि बांग्लादेश के अंदर 'तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन' पर चर्चा की जा सके। 'नदी संरक्षण और प्रबंधन' से भारत का क्या अभिप्राय था? इस पर भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया, 'यह जल-बंटवारे के बारे में कम, बल्कि तीस्ता नदी के भीतर जल प्रवाह के प्रबंधन के बारे में अधिक है।' बांग्लादेश के विश्लेषक मानते हैं कि तीस्ता जल-बंटवारे पर चर्चा को हाशिये पर छोड़ दिया गया। वो पूछते हैं, क्या तीस्ता जल बंटवारे को जान-बूझकर विषय से बाहर किया गया है? बांग्लादेश में तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना (टीआरसीएमआरपी) पर चर्चा पिछले कुछ वर्षों से चल रही है।

तीस्ता जल धारा को फिर से बहाल करने की इस मेगा परियोजना को चीन की वित्तीय और तकनीकी सहायता से क्रियान्वित किया जाना है। 2016 से ही

चीन और बांग्लादेश इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं। चीन के कूद पड़ने से ऐसा लगता है कि इस परियोजना में दिलचस्पी लेना भारत की मजबूरी बन चुकी है। सितंबर 2016 में, बांग्लादेश जल विकास बोर्ड ने उत्तरी बांग्लादेश के ग्रेटर रंगपुर क्षेत्र में तीस्ता को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए चीन के पावर कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के साथ एक 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए थे। बांग्लादेश को तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन परियोजना के लिए लगभग 987.27 मिलियन डॉलर की आवश्यकता है। दिखावे के तौर पर बांग्लादेश ने विश्व बैंक, जापान, और दूसरी अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग एजेंसियों से बात की। लेकिन बांग्लादेश जल संसाधन मंत्रालय के वरिष्ठ सचिव कबीर बिन अनवर ने जानकारी दी, कि चीन ने इस विशाल परियोजना की फंडिंग के वास्ते हामी भर दी है। तीस्ता बेसिन पर बसा रंगपुर से पंचगढ़ तक का इलाका चीन के टारगेट में है, जहां उसे जल प्रबंधन के बहाने डाटा इकट्ठे करने हैं। बांग्लादेश का पंचगढ़ एक ऐसा सामरिक लोकेशन है, जो पूर्वोत्तर के चिकेन नेक (सिलीगुड़ी) से मात्र 67 किलोमीटर की दूरी पर है। चिकेन नेक से लगे इलाके में चीनी कर्मियों की मौजूदगी सचमुच चिंता वाली बात है। तो क्या दिल्ली पर दबाव बनाने के वास्ते शेख हसीना यह खेल, खेल रही थीं? शेख हसीना संभवत: 8 से 14 जुलाई के बीच पेइचिंग की यात्रा पर रहेंगी। 24 जून, 2024 को सीपीसी सेंट्रल कमेटी के नेता लियु चिएनचाओ इस सिलसिले में ढाका आये थे। उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद से ढाका-पेइचिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, ब्रिक्स में बांग्लादेश को सदस्य बनाने, उभयपक्षीय व्यापार घाटे को दुरुस्त करने जैसे विषयों पर बात की, लेकिन तीस्ता पर अपडेट को लेकर किसी भी पक्ष ने मीडिया से सूचनाएं साझा नहीं कीं। अब जो दिल्ली में शेख हसीना की यात्रा को अभूतपूर्व उपलब्धि मान रहे थे, उन्हें इस पर गौर करना चाहिए कि ढाका में चल क्या रहा है।

बांग्लादेश का थिंक टैंक मानता है कि तीस्ता नदी पर भारतीय बैराज, इंफ्रा, जलविद्युत परियोजनाएं नदी के प्रवाह में बाधाएं पैदा करने के वास्ते हैं। उनको शक है कि भारत, तीस्ता के पानी के उचित हिस्से से बांग्लादेश को वंचित करने के उपक्रम में है। लेकिन वे चीन की प्लानिंग पर गौर नहीं करते। पावर चाइना तीस्ता पर ड्रेजिंग और दोनों तरफ तटबंध बनाकर नदी की चौड़ाई को कम करने और उसकी गहराई बढ़ाने का प्रस्ताव दे चुका है।

सत्तापक्ष व विपक्ष समझे मतदाता की चेतावनी

विश्वनाथ सचदेव

अठारहवीं लोकसभा का अधिवेशन प्रारंभ हो गया है। संसद में सरकार की नीति और नीयत को लेकर बहस शुरू हो चुकी है। लेकिन फिर सरकार और विपक्ष दोनों संविधान की रक्षा की दुहाई देकर आमने-सामने हैं। सदन के बाहर विपक्ष के सांसद संविधान की रक्षा के नारे लगा रहे थे और भीतर सत्तारूढ़ पक्ष भी यही बात कह रहा था। बात दोनों एक ही कर रहे थे, पर संदर्भ अलग-अलग थे। ऐसे में एक सामान्य नागरिक का असमंजस समझ में आने वाली बात है। आखिर संविधान की रक्षा का मतलब क्या है? मतलब यह है कि जिन मूल्यों और आदर्शों को आधार बनाकर संविधान की रचना की गयी थी, सांसद पूरी ईमानदारी के साथ उनका पालन करें। यह तो आने वाला कल ही बतायेगा कि हमारे राजनेता कितनी ईमानदारी के साथ यह काम करते हैं, लेकिन संसद के इस अधिवेशन का आगाज बता रहा है कि अंजाम कुछ हल्लेदार ही होगा। शुरुआत प्रधानमंत्री ने कर ही दी है।

सत्र प्रारंभ होने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने दो-तीन ऐसी बातें कही हैं जिनकी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। मसलन, उन्होंने यह दोहराना जरूरी समझा कि मतदाता ने उनकी पिछली सरकार की नीति और नीयत में विश्वास प्रकट करके ही उन्हें लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दायित्व सौंपा है। बात यहीं से शुरू होती है। यह सही है कि लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है पर यह नहीं भूल जाना चाहिए कि पिछली दो पारियों में भाजपा का अपना स्पष्ट बहुमत था और सहयोगी दल भाजपा की अनुकंपा से ही सरकार का हिस्सा बन सके। इस बार स्थिति ऐसी नहीं है, भाजपा सबसे बड़ा दल जरूर है, पर यह मिली-जुली सरकार बैसाखियों के सहारे राज करेगी। इसलिए प्रधानमंत्री को अपनी छवि बनाए रखने के लिए समझौतावादी दृष्टिकोण के साथ काम करना होगा— यह रुख विपक्ष के प्रति ही नहीं, अपने सहयोगी दलों के प्रति भी अपनाना होगा।

चन्द्रबाबू नायडू की तेलुगू देसम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश की जेडीयू कब क्या रुख अपना ले, कहा नहीं जा सकता। यह सही है कि फिलहाल इन दो दलों की भूमिका को लेकर कोई आशंका नहीं है, पर राजनीति संभावनाओं का खेल है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक सभा में नायडू पर व्यंग्य करते हुए उन्हें 'दल बदलने में और खुद के ससुर की पीठ में छुरा घोंपने में सीनियर' बताया था और इसके कुछ ही अर्सा बाद टीडीपी के नेता नायडू ने यह कहकर जैसे बदला चुकाया था कि 'मैं पहला आदमी था जिसने 2002 के दंगों के बाद उनसे (मोदी से) इस्तीफा मांगा था'। तब चंद्रबाबू नायडू ने मोदी जी को अतिवादी तक कह दिया था। राजनीतिक स्वार्थ के चलते हमारे नेता ऐसी बातों को भुला देने का नाटक अच्छी तरह कर लेते हैं, पर राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं होता। बहरहाल, संसद का सत्र प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री ने मीडिया के समक्ष दो-तीन ऐसी बातें की हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जाना चाहिए। मसलन, प्रधानमंत्री का यह कहना कि जनता सदन में तमाशा नहीं देखना चाहती, हो-हल्ला भी नहीं, विपक्ष के निशाने पर रहेगा।

मजबूत विपक्ष लोकतंत्र को मजबूत बनाता है, और इस बार लोकसभा में विपक्ष पिछली बार की तरह इतना कमजोर नहीं है कि सरकार उसे हल्के में ले सके। यह भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि बनारस के मतदाता ने इस बार प्रधानमंत्री को उतना समर्थन नहीं दिया है जितना पिछली दो बार उन्हें मिला था। ऐसे में, भले ही प्रधानमंत्री अपनी दबंग नेता वाली छवि को बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं, पर वस्तुस्थिति यह है कि अब वह पहले जितने कद्दावर नेता नहीं रहे। स्पष्ट है, पिछली दो बार की तरह वे अब मनमानी नहीं कर पाएंगे। स्थिति यह है कि एक ओर तो विपक्ष जो अब पहले से कहीं अधिक बलशाली है, और अधिक आक्रामक हो सकता है। दूसरी ओर भाजपा के भीतर भी ऐसी स्थितियां पनप सकती हैं जो प्रधानमंत्री को कमजोर बना दें। इस संदर्भ में भाजपा की पितृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व के बदले तेवरों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। भाजपा के नेतृत्व को यह भी समझना होगा कि चुनाव में इस बार पहले जैसी सफलता का न मिलना यह भी बताता है कि उसका जन-समर्थन कम हुआ है। बात सत्ता विरोधी रुख तक सीमित नहीं है। यह एक चेतावनी है भाजपा के लिए, विशेषकर प्रधानमंत्री के लिए कि उनकी शासन-व्यवस्था में खामियां थीं।

महंगाई और बेरोजगारी जैसे बुनियादी सवालों को पिछली सरकार ने उतनी गंभीरता से नहीं लिया, जितनी गंभीरता से लेना चाहिए था। यह बात भाजपा के नेतृत्व को समझनी होगी कि मतदाता को जेब में रखने वाली सोच कभी सही नहीं हो सकती। मुफ्त अनाज और नकद सहायता जैसे कदम मतदाता को सीमित रूप से ही प्रभावित करते हैं। भरोसा नहीं जगाते सरकार के प्रति। प्रधानमंत्री तो यह भरोसा भी दिलाना चाहते हैं कि उन्हें लगता है कि वे दैवी कृपा का पात्र बनकर ईश्वर द्वारा भेजे गये हैं। हाल ही में उन्होंने इस आशय का बयान भी दिया था कि उन्हें ईश्वर ने किसी बड़े काम के लिए भेजा है! यह बड़ा काम क्या है यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया, लेकिन चुनाव-परिणाम बता रहे हैं कि कुल मिलाकर मतदाता उनकी ऐसी बातों से प्रभावित नहीं हुआ है। जनता को ठोस परिणाम चाहिए, जुमलों का गुलदस्ता नहीं। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने छोटे से भाषण में कुछ भी कहना जरूरी नहीं समझा। हां, 25 जून के हवाले से उन्होंने एक बात अवश्य कही जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

भूल जाएंगे गोवा-मालदीव घूम आएं चूका बीच

अगर बजट में बीच घूमने जाना चाहते हैं तो उत्तर प्रदेश के एक खूबसूरत बीच की सैर कर सकते हैं। कपल्स के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं, जहां बहुत कम पैसों में घूमने जा सकते हैं। समुद्री तटों के नजारे बहुत खूबसूरत होते हैं। भारत में कई आकर्षक समुद्री तट हैं, जहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य अद्भुत लगता है। जिन लोगों को बीच घूमना पसंद है वह गोवा से लेकर अंडमान और निकोबार तक घूमने जा सकते हैं। हालांकि गोवा, अंडमान से लेकर मालदीव तक की सैर में अधिक दिन की छुट्टियां और बहुत अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

गोमती
नदी का उद्गम स्थल भी पीलीभीत में स्थित पौराणिक धरोहरों में सबसे प्रमुख है। वहीं पीलीभीत शहर में भी गौरीशंकर मंदिर और जामा मस्जिद जैसी ऐतिहासिक धरोहर पर्यटकों का मन मोह लेती है।

लकड़ी के घर

बीच जैसा माहौल देने के लिए लकड़ी के घर और वाटर हाउस बनाए गए हैं, जिन्हें देखकर गोवा की याद आ जाएगी। कपल के लिए यह हनीमून डेस्टिनेशन से कम नहीं। यहां आप अपने पार्टनर या दोस्तों के साथ घूमने आ सकते हैं। यह समुद्र तट बांस और थारू झोपड़ियों के रूप में आवास भी प्रदान करता है, साथ ही संभावित जानवरों के दर्शन की एक श्रृंखला भी है, जो इसे सभी प्रकार के यात्रियों के लिए एक संपूर्ण पलायन बनाता है। प्रामाणिक अनुभव के लिए, समुद्र तट पर बांस, थारू और पेड़ की झोपड़ियों का पता लगाएं। यहां छह ऐसे चूका बीच ट्री हाउस तैयार किए हैं, जो रात के कैंपिंग के लिए एक रमणीय और देहाती सेटिंग का वादा करते हैं। इन झोपड़ियों की कीमत 2,400 रुपये से लेकर 3,600 रुपये प्रतिदिन तक है और इन्हें ऑनलाइन बुक किया जा सकता है।

टाइगर रिजर्व क्षेत्र

चूका बीच पहुंचने के लिए पीलीभीत जिले की यात्रा करनी होगी। पर्यटक बस या ट्रेन से पीलीभीत पहुंच सकते हैं। पीलीभीत में रेलवे स्टेशन भी है, जो कि टाइगर रिजर्व से 65 किमी दूर स्थित है। आगे की सफर के लिए टैक्सी, बस का सहारा ले सकते हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में लगभग 44 बाघ हैं। उत्तर प्रदेश के इस बाघ अभयारण्य को पर्यटकों के लिए एक बार फिर से खोला गया हैं और पर्यटकों के लिए यादगार बनाने के लिए अभ्यारण में सारे पुख्ता इन्तेजाम किए गए हैं जिससे पर्यटकों को किसी प्रकार कि असुविधा का सामना न करना पड़े। टाइगर रिजर्व भारत में धीरे-धीरे अपनी लोकप्रियता को बढाता जा रहा है बता दें कि यह अभ्यारण पशु प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नही है और बाघों के उच्चतम घनत्व कि वजह से वर्ष 2008 में इस अभ्यारण को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था।

कहां हैं यूपी का बीच

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में बीच जैसा नजारा देखने को मिलता है। यहां स्थित पीलीभीत टाइगर रिजर्व क्षेत्र बीच स्पॉट के लिए जाना जाता है। इस बीच का नाम चूका बीच है, जहां की खूबसूरती में आप इतना खो जाएंगे कि गोवा और मालदीव भी भूल जाएंगे।

चूका बीच की खासियत

पीलीभीत में स्थित चूका बीच 17 किलोमीटर लंबी और 2.5 किमी चौड़ी झील है। नेपाल से आने वाली शारदा नहर उत्तर प्रदेश की सीमा को पार करते हुए इस झील में मिलती है। खास बात ये है कि झील के आसपास रेत का मैदान है, जो गोवा जैसा अनुभव कराता है। शुरुआत के लिए, चूका बीच की यात्रा प्रकृति के साथ एक अविचल मुलाकात का माहौल बनाती है। घुमावदार सड़कें पीपल और पाकड़ के पेड़ों से ढकी हुई हैं। कुछ हिस्सों में धूप की बिल्कुल अनुपस्थिति के कारण, समुद्र तट की ओर जाने वाली सड़क सुरंग जैसा भ्रम पैदा करती है।

हंसना मना है

पप्पू ने अमरुद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। पप्पू अमरुद वाले से- इसमें तो कीड़ा है! अमरुद वाला- ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटरसाइकिल निकल जाए। पप्पू- 2 किलो और दे दो।

ससुरः मेरी बेटी का ख्याल, रखना, इसकी आंखों में आंसू ना आने पाये, लड़का-ठीक है प्याज, मैं काट दूंगा पर, बर्तन इसे ही धोने होंगे।

लड़का-लड़की बस स्टॉप पर खड़े थे। लड़का बोला -अच्छी लिपस्टिक है। लड़की- थैंक्स..!! लड़का- बालियां अच्छी हैं! लड़की- थैंक्स। लड़क- नेकलेस भी प्यारा है। लड़की- थैंक्स भइयाजी! लड़का- कमाल है, फिर भी चुड़ैल लग रही हो?

लड़की वाले- लड़का शराब पीता है? लड़के वाले- जी..बिलकुल पीता है और रोज पीता है, लड़की वाले- इसका मतलब अच्छा कमाता है। हमारी तरफ से ये रिश्ता पक्का?

ललन ऑटो वाला से-भैया चांद पर जाओगे? ऑटो वाला-800 करोड़ लगेगा। ललन-क्यों इसरो ने तो 400 करोड़ में भेजा है, ऑटो वाला-अरे भाई उधर से वापसी नहीं मिलती है।

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंस गया। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

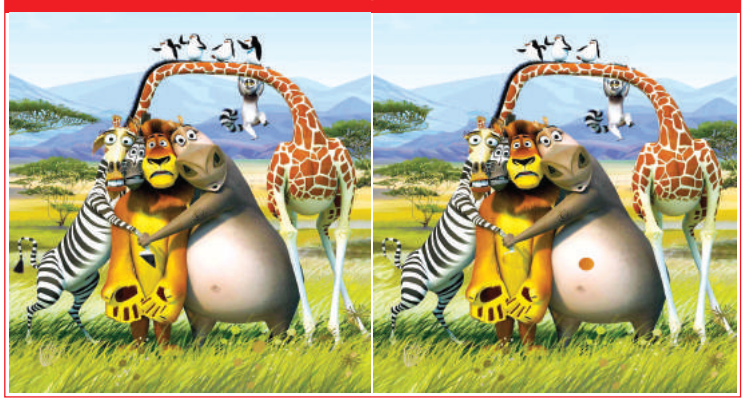

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला

व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु

आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर

यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ

आज मान-सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मीन

कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी।

सुष्मिता सेन ने बदला अपना डेट ऑफ बर्थ

सुष्मिता सेन आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। सुष्मिता ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। दर्शकों के दिलों में उनकी खास जगह है। एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। इस बार एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे बदलाव किए हैं जो अब चर्चा का विषय बन गया है। आइए जानते हैं उसके बारे में

सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी डेट ऑफ बर्थ बदल दी है जिसके बाद से फैंस इस बात को लेकर परेशान हो रहे हैं। बता दें कि सुष्मिता सेन का जन्म 19 नवंबर 1975 को हुआ था। लेकिन एक्ट्रेस के इंस्टा बायो में उनकी डेट ऑफ बर्थ 27 फरवरी 2023 लिखी है। एक्ट्रेस ने इसे सेकेंड डेट ऑफ बर्थ लिखा है। दो डेट ऑफ बर्थ के कारण फैंस बहुत कन्फ्यूज हो रहे हैं। फैंस जानना चाह रहें हैं कि एक्ट्रेस ने ऐसा क्यों लिखा है।

सुष्मिता को आया था हार्ट अटैक

दो डेट ऑफ बर्थ को लेकर करीबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसका कनेक्शन उनके आए हार्ट अटैक से है। पिछले साल की शुरुआत में एक्ट्रेस को हार्ट अटैक आया था। वो जब आर्या 3 की शूटिंग कर रही थीं तब उन्हें अचानक से दिक्कत महसूस हुई थी। हालांकि उन्होंने बाताया था कि 6 महीने पहले ही उनका मेडिकल टेस्ट हुआ था। उनकी रिपोर्ट में सब कुछ ठीक दिखाई दिया था। बर्थ डेट में बदलाव का कारण को इसी घटना से जोड़ा जा रहा है जिसने उनके जीवन बदल देने वाला अनुभव दिया था।

सुष्मिता सेन के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में एक्ट्रेस ताली नाम की सीरीज में नजर आईं थीं। सीरीज में उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत का रोल निभाया जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। बता दें कि एक्ट्रेस ने साल 1996 में थ्रिलर फिल्म दस्तक से फिल्म इंटस्ट्री में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने मैं हूं ना, बीवी नंबर वन, मैंने प्यार किया, सिर्फ तुम, जैसी शानदार फिल्मों में अपने अभिनय से फैंस की दिल जीता था।

बॉलीवुड | मन की बात

यदि अमीर और प्रसिद्ध बनना है तो अभिनय का रूख न करें : मनीषा

दिल से, 1942 ए लव स्टोरी और बॉम्बे जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला को हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में देखा गया। अभिनेत्री ने अपने बेहतरीन अभिनय से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी बीच मनीषा अपने हालिया बयान को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। अभिनेत्री का कहना है कि अगर आपका लक्ष्य अमीर और प्रसिद्ध बनना है तो आपको अभिनय में नहीं आना चाहिए। अभिनय की दुनिया में किन लोगों को आना चाहिए, इसके बारे में भी मनीषा ने खुलकर चर्चा की है। मशहूर कोइराला ने कहा कि कड़ी मेहनत और सिनेमा के प्रति जुनून महत्वाकांक्षी अभिनेताओं को आगे बढ़ने में मदद करेगा। अभिनेत्री ने कहा, यदि आप वास्तव में अभिनय, सिनेमा या इसके किसी तकनीकी पहलू से बेहद प्यार करते हैं, तो इसे करें। फिर आप चाहे किसी भी बाधा का सामना कर रहे हों, आप उसे पार कर लेंगे। आप कड़ी मेहनत और घंटे लगाएंगे और आप तब भी खुश रहेंगे क्योंकि यह वही है जो आप करना पसंद करते हैं। अभिनेत्री ने यह बयान गुरुवार को एक कार्यक्रम में दिया। मनीषा कोइराला ने कहा कि लोगों को इस पेशे में आने से पहले खुद से पूछना चाहिए कि वे क्या चाहते हैं। अभिनेत्री ने जोड़ा, अगर आप दिखावे के लिए जा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आपका ध्यान उस पर नहीं है जो आप कर रहे हैं। आपका ध्यान हमेशा ग्लैमर और पैसे पर है। आप गलत कारण से जा रहे हैं। यह आपका प्रोफेशन बन जाएगा अपने पेशे के प्रति आपके अंदर जो जुनून और प्यार है, उसे समझदारी से चुनें। मनीषा कोइराला ने नई फिल्म या सीरीज के चुनाव को लेकर कहा, मैं उस स्तर पर पहुंच गई हूं जहां मुझे लगता है कि अगर फिल्म वास्तव में कुछ करती है, तो मैं इसका हिस्सा बनूंगी। जब मुझे हीरामंडी का ऑफर आया उस वक्त मैं नेपाल में अपने छोटे से बगीचे में खुशी-खुशी बागवानी कर रहा थी। अभिनेत्री ने हीरामंडी में काम करने के अनुभव को सुखद बताया।

कारगिल युद्ध के हिस्सा थे नाना पाटेकर

ना पाटेकर 46 साल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। वो अब तक कई यादगार और दमदार किरदार निभा चुके हैं। पर क्या आप जानते हैं कि नाना पाटेकर एक भारतीय प्रादेशिक सेना में भी रह चुके हैं? यही नहीं, बहुत कम लोग जानते हैं कि वो कारगिल युद्ध का भी हिस्सा रहे हैं। सालों बाद इस बात का खुलासा खुद नाना पाटेकर ने किया है।

नाना पाटेकर ने कारगिल के युद्ध के दौरान कुछ समय के लिए एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था। इसके बाद वो लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट में भर्ती हो गए थे। नाना पाटेकर ने द लल्लनटॉप को दिए गए इंटरव्यू में 1991 में हुए कारगिल युद्ध की एक छोटी सी स्टोरी शेयर की है। उन्होंने कहा- उस वक्त फर्नांडिस साहब थे रक्षा मंत्री। हम युद्ध में जाना चाहते थे। हमने कंमाडो कोर्स पूरा किया था। अच्छे शूटर हैं। नेशनल खेले हुए हैं। हमको मेडल भी मिला हुआ है।

युद्ध के दौरान हमने वहां फोन किया। हमने कहा कि हमें वॉर में जाना है। वहां से कहा गया कि आप सिविलियन हैं। इसलिए नहीं जा सकते। पर फर्नांडिस साहब हमें जानते थे। फिर उन्होंने हमसे पूछा कि कब जाना है। मैंने कहा कि अभी जाना है। मैं चला गया कारगिल युद्ध में। मैं क्रिक रिएक्शन टीम का सदस्य बन गया। इतना सा तो कुछ हम कर सकते हैं देश के लिए। हमारा सबसे बड़ा हथियार बोफोर्स या एके 47 नहीं बल्कि हमारे जवान हैं। नाना पाटेकर ने आगे कहा कि जब मैं युद्ध में गया था, तब 76 किलो था। जब आया तब 56 किलो का हो गया था। दो महीने में हड्डी पसली कम हो गए थे। पर सच कहें, तो हमको देश के लिए इतना करके बहुत खुशी मिली। एक्टर ने ये भी कहा कि अजीत डोभाल उनके लिए भाई सामान हैं। उन्हें दोस्त कहना गलत है। अजीत डोभाल संग उनका रिश्ता बेहद खास और अनोखा है।

नाना पाटेकर ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश के लिए कुछ करने का मन बनाया और उसमें सफल भी हुए। बस इसलिए नाना पाटेकर हर किसी के फेवरेट हैं।

ट्रेन की पटरी के किनारे क्यों लिखा होता है सी/फा और W/L क्या है मतलब?

ट्रेन पर यात्रा करने का मजा ही कुछ अलग होता है। आपको नए लोगों से मिलने का मौका मिलता है, देश की खूबसूरती देखने का मौका मिलता है और अनोखे तरह के ज्ञान की भी प्राप्ति होती है। ट्रेन से जुड़ा एक रोचक फैक्ट, ट्रेन के अंदर नहीं, बल्कि बाहर, पटरियों के बगल में होता है। यात्रा के दौरान आपका ध्यान रेलवे ट्रैक के बगल में लगे बोर्ड्स पर गया होगा, जिसपर 'W/L' या 'सी/फा' लिखा रहता है। क्या आप जानते हैं कि आखिर इसका क्या मतलब है? शायद ही लोगों को इसके बारे में सही जानकारी होगी!

हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें रेलवे से जुड़ी एक रोचक जानकारी दी गई है। एक शख्स रेलवे ट्रैक के बगल में खड़ा है, और पटरी के बगल में लगे पोल की ओर इशारा कर रहा है। उस पोल पर दो बोर्ड लगे हैं। पहले बोर्ड पर लिखा है 'सी/फा' वहीं दूसरे पर लिखा है 'W/L'। सुरक्षा के नजरिए से बोर्ड काफी जरूरी होता है। शख्स ने वीडियो में बताया कि 'सी/फा' का मतलब होता है 'सीटी' और 'फाटक' नहीं 'W/L' का मतलब होता है Whistle और Level Crossing। ये बोर्ड लोको पायलट, यानी ट्रेन के ड्राइवर के लिए एक प्रकार का संकेत होता है कि जब वो इस स्थान तक पहुंचें, तो यहां से आगे सीटी बजाना शुरू कर दें, सतर्कता बरतें और ट्रेन को धीरे कर लें क्योंकि आगे कोई फाटक यानी लेवल क्रॉसिंग है। इस तरह आगे फाटक पर खड़े लोग सतर्क हो जाएंगे और वो क्रॉसिंग पार करने की कोशिश नहीं करेंगे। इन बोर्ड को अक्सर पीले रंग का बनाया जाता है जो काफी ब्राइट रंग होता है और दूर से ही लोको पायलट की नजर में आ जाता है। ट्रेनों से जुड़ी जानकारियां लोगों को बहुत मजेदार लगती हैं। शायद आपको ये जानकारी भी अनोखी लगे,

अजब-गजब | बेहद अजीब कारण है इस शादी का

इस महिला ने एक दो नहीं कुल 60 लोगों के साथ रचाई शादी

जब भी कोई व्यक्ति शादी के बारे में सोचता है, तो वो ऐसे शख्स का चुनाव करना चाहता है, जिससे उसकी सोच मिले, जसके साथ वो खुश रहता हो और जिसे वो अपने जीवनसाथी के तौर पर देख सके। पर सोचिए कि अगर आपकी जिंदगी में इन खूबियों वाले एक से ज्यादा लोग हों तो आप क्या करेंगे? बेशक आप उनमें से किसी एक को ही चुनेंगे, पर ऑस्ट्रेलिया की एक महिला ने एक-दो को नहीं, पूरे 60 लोगों को चुना और उसने उन 60 लोगों से एक साथ शादी कर ली।

एक रिपोर्ट के अनुसार 40 साल की कार्ली सारे एक वेडिंग फोटोग्राफर हैं। उन्होंने दर्जनों लोगों की शादियों में फोटोज खीची हैं। उन्होंने उन लोगों के साथ कसमें खाते, प्यार जताते और एक बंधन में बंधते देखा है। पर जब उनकी बारी आई, तो उन्होंने किसी एक को अपना जीवनसाथी नहीं चुना, बल्कि एक साथ 60 लोगों को चुना और उनसे शादी कर ली। दरअसल, ये 60 लोग कार्ली के सबसे जिगरी दोस्त हैं जो उनके जीवन में बहुत अहमियत रखते हैं। रिपोर्ट के अनुसार कार्ली को शादी का कॉन्स्पेट ठीक नहीं लगता। उन्हें ये नहीं अच्छा लगता कि लोग किसी एक आदमी के नाम जिंदगी कर देते हैं और उसी के साथ जीते हैं। वो एक से ज्यादा लोगों के लिए

जीना चाहती हैं और ज्यादा पार्टनर्स के साथ रहना चाहती हैं, बस इसी वजह से उन्होंने इतने दोस्तों को चुना, जिसमें पुरुष और स्त्रियां दोनों ही शामिल हैं। इस वजह से उनका ये कारण लोगों को अजीब भी लगता है। हालांकि, उन्हें दूसरों की परवाह नहीं है। शादी के जश्न ने उन्होंने खूब धूमधाम से मनाया। तीन दिनों तक ये जश्न चला। उन्होंने शादी के दौरान इन सारे दोस्तों के प्रति गहरा प्यार, सम्मान और प्रतिबद्धता की कसम खाई। शादी में परंपरागत चीजें भी थीं, जैसे शादी से जुड़ी कसमें खाना, टोस्ट रेज करना, शादी से जुड़ी स्पीच, लॉन्ग टेबल डिनर आदि, पर उसके अलावा कुछ अनोखी चीजें भी शामिल थीं। जैसे दुल्हन समेत बाकी सभी लोगों ने काफी रंगे कपड़े पहने थे। उन्होंने अपने सारे पार्टनर्स को न ही ब्राइड और न ही ग्रूम नाम दिया। बल्कि उन्हें ब्रूम कहा गया। उन्होंने कहा कि दोस्तों से शादी करना उनकी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला है। उन्होंने दोस्तों से शादी कर के बहुत सुरक्षित महसूस हुआ।

संसद 50 प्रतिशत की सीमा से ज्यादा आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए कानून बनाए : जयराम

» बोले- जदयू की भी मांग पर क्यों चुप है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि संसद को एक कानून पारित करना चाहिए ताकि 50 फीसदी की सीमा से अधिक आरक्षण उपलब्ध कराया जा सके। कांग्रेस के इस बयान के एक दिन पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल जनता दल-यूनाइटेड(जदयू) ने मांग की थी कि बिहार में आरक्षण में बढ़ोतरी को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पूरे लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान विपक्षी दल कहता रहा कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण से संबंधित सभी राज्य कानूनों को 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए। रमेश ने कहा, यह अच्छी बात है कि जदयू ने कल पटना में यही मांग की है। लेकिन राज्य और केंद्र, दोनों में उसकी सहयोगी भाजपा इस मामले में पूरी तरह से चुप है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, हालांकि, आरक्षण कानून को 50 प्रतिशत की सीमा से परे नौवीं अनुसूची में लाना भी कोई समाधान नहीं है, क्योंकि 2007 के उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार, ऐसे कानून भी न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए संविधान संशोधन कानून की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में संसद के पास एक संविधान संशोधन विधेयक पारित करने का एकमात्र रास्ता है जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सभी पिछड़े वर्गों के लिए कुल आरक्षण को 50 प्रतिशत से अधिक करने में सक्षम बनाएगा। रमेश ने कहा कि आरक्षण की मौजूदा 50 प्रतिशत सीमा स्पष्ट रूप से संवैधानिक अनिवार्यता नहीं है, बल्कि इसका निर्णय उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों के आधार पर लिया गया।

रोजगार के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है भाजपा : गहलोत

रोजगार उत्सव में मुख्य सचिव सुधांश पंत के बयान पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया सामने आई है। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि भाजपा भ्रामक प्रचार व सरकारी अधिकारियों से राजनीतिक बयानबाजी करवाकर रोजगार के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मुख्य सचिव का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया लेकिन उनका इशारा उन्हीं की तरफ है। गौरतलब है कि पंत ने पिछली गहलोत सरकार में भर्ती परीक्षाओं पर सवालिया निशान लगाते हुए शनिवार

को कहा था कि बीच में परीक्षा की क्रेडिबिलिटी पर प्रश्न खड़े हो गए थे। अब नई सरकार में युवाओं का भरोसा वापस लौटा है। उनका यह बयान सोशल मीडिया में काफी वायरल हुआ और कई यूजर्स ने कमेंट्स में यह भी पूछा कि क्या मुख्य सचिव इस तरह की राजनीतिक बयानबाजी कर सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार ने कोविड में काफी समय तक परीक्षाएं ना हो पाने के बावजूद बेहतरीन इंतजाम कर करीब 3 लाख सरकारी नौकरी दी थीं। कल राजस्थान सरकार ने रोजगार महोत्सव मनाकर हमारी सरकार द्वारा नौकरी दिए गए नए सरकारी कर्मचारियों को जॉइनिंग लेटर दिए। 7 महीने में भाजपा सरकार ना तो नौकरी दे पाई है और ना ही बेरोजगारी भत्ता दे रही है। प्रदेश का युवा देख रहा है कि कैसे झूठे वादे कर राज में आई, भाजपा सरकार केवल कपोल प्रचार कर उनके भविष्य से खेल रही है।

छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था बदहाल, इस्तीफा दें सीएम, गृह मंत्री : सुशील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने ताज कसते हुए कहा कि राज्य में बेलगाम कानून व्यवस्था पर एक महीने में दो बार कोर्ट ने सवाल खड़ा किया है। यह राज्य सरकार की अक्षमता है कि उच्च न्यायालय को की टिप्पणी करना पड़ रहा है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति को गलत तरीके से गुंडा सूची में नाम डालने पर सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि राज्य में कानून नाम की कोई चीज है कि नहीं।

एक महीने पहले भी हाई कोर्ट ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया था। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा रोज दुर्घटनाएं हो रही है कोई ध्यान देने वाला नहीं है। नेशनल हाईवे में हैवी ट्रेफिक है, सड़के उखड़ी हुई है, कोई ध्यान देने वाला नहीं है। राज्य में क्राइम बड़ा है, ट्रेफिक बदहाल है, पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। कन्ट्रोल करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि हाई कोर्ट की इस तल्ख टिप्पणी के बाद नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री जिनके पास परिवहन विभाग है औरगृहमंत्री विजय शर्मा जो राज्य की कानून व्यवस्था संभाल नहीं पा रहे अपने पद से तत्काल इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अराजकता के हालात है।

महाराष्ट्र में मिलकर विस चुनाव लड़ेगा महाविकास अघाड़ी : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि उनकी पार्टी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) मिलकर इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे राज्य के विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करें, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे।

राकांपा (शरदचंद्र पवार), कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक हैं। पवार ने कहा कि विपक्ष चुनावों में महाराष्ट्र की जनता के सामने सामूहिक रूप से उतरेंगे। पवार ने कहा कि राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसे पूरा करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। जिस तरह (महाभारत में) अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख थी, उसी तरह हमारी नजरें महाराष्ट्र के चुनावों पर टिकी हैं। कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी।

सीट बंटवारे पर बातचीत जल्द

पवार ने कहा कि राज्य मे सीट बंटवारे पर बातचीत अभी शुरू नही हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू हो जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या वह शुक्रवार को यहां शुरू हुई पवित्र (तीर्थयात्रा) पालखी यात्रा मे भाग लेगे पवार ने कहा, 'पालखी बारामती (पुणे जिले मे) स्थित मेरे गांव से पंढरपुर तक जाएगी। मै बारामती मे पवित्र पालखी यात्रा का स्वागत करूंगा। पूज्य संत तुकाराम और ज्ञानेश्वर महाराज के पदचिन्हो को लेकर पालखी यात्रा पिछले दो दिनो मे क्रमशः पुणे के देहू और आलंदी से सोलापुर जिले के पंढरपुर के लिए रवाना हुई। पालखी यात्रा 17 जुलाई को आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर पंढरपुर मे भगवान विट्ठल के मंदिर पहुंचेगी।

सुप्रीम कोर्ट को गुमराह कर रहीं जांच एजेंसियां : संजय सिंह

» संसद परिसर में इंडिया गठबंधन का विरोध प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर आप ने जांच एजेंसियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सर्वोच्च अदालत को जांच एजेंसियां गुमराह कर रही हैं। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन ईडी ने हाईकोर्ट जाकर इस पर स्टे ले लिया।

इसके बाद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलनी तय थी, तभी सीबीआई को भेज उनको गिरफ्तार करा लिया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 4 जून को ही सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उनकी जांच पूरी हो चुकी है। रविवार को पार्टी मुख्यालय में सिंह ने आरोप लगाया कि इसके बाद भी सीबीआई ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर

लिया। जांच एजेंसियों के खुलेआम दुरुपयोग का इससे बड़ा और उदाहरण नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ ईडी-सीबीआई के पास कोई सबूत नहीं है। सोमवार को इंडिया गठबंधन के सभी दल ईडी-सीबीआई के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। अवैध तरीके से पेड़ काटने पर दिल्ली सरकार सख्त दक्षिणी दिल्ली के आरक्षित वन क्षेत्र में हुई 1100 पेड़ों की कटाई के मामले में तथ्यान्वेषण समिति ने डीडीए, वन विभाग और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। दिल्ली सरकार ने इस मामले की जांच के लिए सर्वसम्मति से कमेटी बनाई थी। कमेटी में मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी और इमरान हुसैन को शामिल किया गया है। कमेटी इस बात की जांच कर रही है कि इन पेड़ों को काटने का आदेश किसने दिया।

बारिश के चलते डूबने वालों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देगी आप सरकार

दिल्ली सरकार ने बारिश से डूबने वालों के लिए मुआवजे को लेकर एक बड़ा एलान किया है। 28 जून को अत्यधिक बारिश हुई, जिससे राजधानी के अलग-अलग इलाकों में पानी भर गया। इस दौरान पानी में डूबकर कुछ लोगों की मौत हो गई। सरकार ने अब मृतकों के परिजनों को मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपये देने की घोषणा की है। दिल्ली सरकार में जलमंत्री आतिशी ने एसीएस राजस्व को क्षेत्र के अस्पतालों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से जान गंवाने वालों की पहचान करने और जीएनसीटीडी की ओर से उन्हें तुरंत उपरोक्त मुआवजा प्रदान करने का निर्देश दिया।

विराट-रोहित व जडेजा ने टी-20 को कहा अलविदा

» भारत के विश्व चैंपियन बनने के बाद लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद अब रविंद्र जडेजा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कह दिया है। जडेजा ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्रिकेटर ने टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी के साथ अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर साझा की, जिसके साथ उन्होंने एक भावुक नोट लिखकर अपने संन्यास लेने का ऐलान किया।

विराट, रोहित और अब जडेजा के संन्यास की खबर ने क्रिकेट के चाहनेवालों के दिल तोड़ दिए हैं। टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने की खुशी के बीच भारतीय क्रिकेट के नामी खिलाड़ियों को संन्यास लेता देख लोग भावुक हो गए हैं। जडेजा ने तस्वीर के साथ लिखा, मैं दिल से कृतज्ञता के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। जडेजा ने आगे लिखा कि टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का शिखर। यादों, उत्साह और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद।

भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीता

भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। बारबाडोस के केनसिंग्टन ओवल में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए। जिसके जवाब में अपना पहला टी20 वर्ल्ड कप फाइनल खेल रही अफ्रीकी टीम 169 रन ही बना पाई और खिताब से दूर हो गई।

चक्रवात की वजह से बारबाडोस में फंसी टीम इंडिया

बारबाडोस में तूफान की वजह से भारतीय टीम की वापसी में कुछ और दिन लग सकते हैं। दरअसल, बारबाडोस का मौसम पिछले कुछ दिनों से खराब है। मौसम रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ घंटों में वहां चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है। इस स्थिति में ब्रिजटाउन के हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है। वहीं, टीम इंडिया को होटल में ही रुकने को कहा गया है।

नए आपराधिक कानून को लेकर गरमाई सियासत

बीजेपी सरकार पर विपक्ष ने उठाए सवाल, कांग्रेस, टीएमसी, सपा व एआईएमआईएम ने किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1 जुलाई से पूरे देश में नए नए आपराधिक कानून लागू हो गए है। बीजपी जहां इसका जोरशोर से प्रचार कर रही है वहीं इसे लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस, टीएमसी, सपा व एआईएमआईएम ने इसका विरोध किया है। सभी दलों ने कहा है कि इन कानूनो को पिछली लोकसभा में विपक्ष के बिना बहस कराके पास करवा लिया गया जो असंवैधानिक है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम, असदुदीन ओवैसी से लेकर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोमवार को सरकार की आलोचना की।

नए कानूनों में से 90-99 प्रतिशत कट कॉपी और पेस्ट का काम : पी चिदंबरम

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि यह मौजूदा कानूनों को ध्वस्त करने तथा उन्हें बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के तीन नए विधेयकों से बदलने का एक और मामला है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि दीर्घावधि में, तीनों कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप बनाने के लिए इनमें और बदलाव किए जाने चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में चिदंबरम ने कहा, तथाकथित नए कानूनों में से 90-99 प्रतिशत कट, कॉपी और पेस्ट का काम है। जो काम मौजूदा तीन कानूनों में कुछ संशोधनों के साथ पूरा किया जा सकता था, उसे एक बेकार की कवायद में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा, हां, नए कानूनों में कुछ सुधार हैं और हमने उनका स्वागत किया है। उन्हें संशोधन के रूप में पेश किया जा सकता था। दूसरी ओर, कई प्रतिगामी प्रावधान हैं। कुछ बदलाव प्रथम दृष्टया असंवैधानिक हैं। वरिष्ठ नेता ने कहा कि स्थायी समिति के सदस्य सांसदों ने प्रावधानों पर गहन अध्ययन किया तथा तीनों विधेयकों पर विस्तृत असहमति नोट लिखे।

देशवासियों पर शिकंजा कसने की है तैयारी : डिंपल

तीन नए आपराधिक कानूनों पर समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव का बयान सामने आया है। डिंपल ने आरोप लगाया कि यह कानून बहुत गलत तरीके से संसद में पास किए गए हैं। इन कानूनों पर कोई चर्चा नहीं है। सपा सांसद ने कहा कि अगर कोई विदेशों में भी अपने अधिकारों को लेकर विरोध करता है तो उन पर भी ये कानून लागू होंगे। कहीं न कहीं यह कानून पूरे देशवासियों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। राजनीतिक दबाव के चलते अब तक कई संगीन मुकदमे भी कोर्ट से वापस हो जाते थे, लेकिन एक जुलाई 2024 से तीन नए कानून (भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023) लागू होने के बाद यह संभव नहीं होगा।

संसद को नए आपराधिक कानूनों की पुनः समीक्षा करनी चाहिए : मनीष तिवारी

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने संसद से नए आपराधिक कानूनों की पुन- समीक्षा करने की मांग की और दावा किया है कि ये कानून देश को ''पुलिस स्टेट'' में बदलने की नींव रखते हैं।'पुलिस स्टेट' वह होता है जहां राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन पर सरकार का पूरी तरह से नियंत्रण होता है। चंडीगढ़ के सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''एक जुलाई 2024 (आज) को मध्य रात्रि 12 बजे से लागू किए गए नए आपराधिक कानून के साथ ही, भारत को पुलिस स्टेट में बदलने की नींव रखी गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इनका क्रियान्वयन तत्काल रोका जाना चाहिए तथा संसद को इनकी पुनः समीक्षा करनी चाहिए। देश में सोमवार को तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में दूरगामी बदलाव आएंगे।

'प्रमुख मुद्दों' के समाधान के लिए कुछ नहीं : ओवैसी

इस मामले पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह नए कानूनों से जुड़े 'प्रमुख मुद्दों' के समाधान के लिए कुछ नहीं कर रही है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर, हैदराबाद के सांसद ने पिछले साल दिसंबर के अपने लोकसभा भाषण का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने उन बिंदुओं को सामने रखा, जिन पर वह तीन नए कानूनों का विरोध कर रहे हैं। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, तीन नए दंडआपराधिक कानून कल से लागू हो जाएंगे। इनके क्रियान्वयन में बड़ी समस्याओं के बावजूद सरकार ने इन्हें दूर करने के लिए कुछ नहीं किया है। ये वे मुद्दे थे जिन्हें मैंने इनके लागू होने का विरोध करने के लिए उठाया था। चार बार के लोकसभा सदस्य ने अपने संबोधन में कहा कि उनके अनुसार, इन कानूनों के प्रावधान 'लोगों की नागरिक स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खतरा' हैं। उन्होंने कहा, ये पुलिस को किसी के भी खिलाफ कार्रवाई करने के लिए व्यापक शक्तियां प्रदान करते हैं।

नीट का समाधान निकालना बहुत जरूरी : मायावती

» बोलीं- बीजेपी सरकार में पेपर लीक व सरकारी भर्तियों में बढ़ा भ्रष्टाचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पर चर्चा की मांग को लेकर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के बाद शुक्रवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो पाई थी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला द्वारा बार-बार आग्रह करने और चेतावनी देने के बावजूद विपक्षी दलों का हंगामा और नारेबाजी जारी रही थी। अब इसपर बीएसपी प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई है।

मायावती ने कहा कि देश में समय-समय पर होने वाली विभिन्न परीक्षाओं की पवित्रता के साथ ही वर्तमान में ख़ासकर मेडिकल की नीट-यूजी एवं पीजी परीक्षाओं को लेकर जो अनिश्चितता बनी हुई है उससे लोगों में बेचैनी, चिन्ता व आक्रोश की लहर स्वाभाविक, जिसका शीघ्र सही स्थाई समाधान निकालना बहुत ही ज़रूरी। बीएसपी चीफ ने कहा, वैसे आल इण्डिया ही नहीं बल्कि यूपी समेत राज्यों में होने वाली परीक्षाओं में पेपर लीक व सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार का मामला भी अति-गंभीर, दु:खद व चिन्तनीय. इन समस्याओं के प्रति किसी प्रकार की सरकारी लापरवाही और न ही राजनीति उचित बल्कि इसकी रोकथाम के लिए सख्त कदम आवश्यक।

चिराग पासवान ने नीट पर सरकार का किया बचाव

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले में सभी हितधारकों के संपर्क में है और उपयुक्त समय पर छात्रों के सर्वोत्तम हित में निर्णय लिया जाएगा। चिराग ने विपक्ष पर नीट के मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की और कहा कि यह उसकी गलत सोच को प्रदर्शित करता है। पासवान ने कहा, नीट मामले की जांच संबंधित एजेंसियां कर रही है और मामला अदालत में भी विचाराधीन है। पासवान ने कहा, विपक्ष गलत सोच प्रदर्शित कर रहा है। अगर वह जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना चाहता है तो उसे सदन को उपयुक्त तरीके से चलने देना चाहिए और बहस व चर्चा में भाग लेना चाहिए। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद, अपने गृह राज्य बिहार के पहले दौरे पर है। एक अन्य सवाल के जवाब में पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी नीतीश कुमार अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में गठबंधन का नेतृत्व करेंगे।

बीजेपी के खिलाफ 'हूल' विद्रोह जारी रखेंगे : हेमंत

» सामंती ताकतों के खिलाफ लड़ने का एलान किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

साहिबगंज (झारखंड)। हाल ही में जमानत पर रिहा हुए झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने सामंती ताकतों के खिलाफ विद्रोह का एलान किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन-इंडिया देश भर से भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा।

हूल दिवस के मौके पर झारखंड के साहिबगंज में रैली को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा, उनकी रिहाई के बाद भाजपा के खेमे में घबराहट है। भाजपा नेता एक बार फिर उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिहाई के बाद पहली बार वे अपने घर से बाहर निकले हैं। यह सभी के लिए प्रेरणा का दिन है।

झारखंड क्रांतिकारियों की धरती

उन्होंने कहा कि मुझे झूठे मामलों में फंसाया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसियों को उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है, जो सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। भाजपा के शीर्ष नेता आए दिन झारखंड आ रहे हैं और मेरे खिलाफ साजिश कर रहे हैं। हेमंत सोरेन ने कहा, झारखंड क्रांतिकारियों की जमीन के रूप में जाना जाता है। हम जेल, लाठी या फांसी से नहीं डरते।

यूपी में जारी रहेगी भारी बारिश अब तक कई लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गर्मी से बेहाल यूपी वालों को मानसून ने राहत तो दी। पर भारी बारिश ने लोगों की परेशानी भी बढ़ा दी है। उधर बर्षा से राज्य भर में कइ घटनाएं भी घटी जिसमें लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। दक्षिण पश्चिम मानसून लगभग पूरे देश में पहुंच गया है। देश के अधिकांश क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

वहीं, बिजली गिरने से यूपी में पांच लोगों की मौत हुई है और 22 लोग घायल हुए हैं। मानसून एक्सप्रेस अपनी रफ्तार से लगातार आगे बढ़ रही है। रविवार को इसने पूरे उत्तर प्रदेश के सफर को पूरा कर लिया। वहीं, यूपी में बारिश के चलते लोगों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। लखनऊ में शाम को हुई झमाझम बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया। मथुरा में बारिश से दीवार गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई। नेपाल में तेज बारिश से बलरामपुर में खरझार पहाड़ी नाला रविवार को उफना गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।